Daily Current Affairs 15/12/2021

1. विश्व स्तर पर हथियारों की बिक्री में शीर्ष 100 में तीन भारतीय कंपनियां: SIPRI रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- **स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI)** की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में संयुक्त हथियारों की बिक्री के लिए **तीन भारतीय कंपनियां** दुनिया की शीर्ष 100 में शामिल हैं।
- तीन कंपनियां हैं: **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL), इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज** और **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)।**

नोट: तीनों को 2019 में भी हथियारों की बिक्री में शीर्ष 100 में स्थान दिया गया था।

प्रमुख बिंदु

- नवीनतम रैंकिंग में, **HAL** 2.97 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ 42वें स्थान पर है, जो 2019 की बिक्री से 1.5 प्रतिशत अधिक है।
- **इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज** 1.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बिक्री के साथ 60वें स्थान पर हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2 प्रतिशत अधिक है।
- हथियारों की बिक्री में 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ **BEL** 66वें स्थान पर है, जो 2019 की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है।
- 2020 में वैश्विक स्तर पर हथियारों की बिक्री में भारत की हिस्सेदारी 1.2 प्रतिशत थी।

byjusexamprep

शीर्ष देश:

- 41 हथियार कंपनियों के साथ, दुनिया भर में शीर्ष 100 में **संयुक्त राज्य अमेरिका** की कंपनियों की संख्या सबसे अधिक है। कुल मिलाकर, उनकी हथियारों की बिक्री 285 अरब डॉलर रही, जो 2019 की तुलना में 1.9 प्रतिशत अधिक है।
- चीन 13 प्रतिशत के साथ दूसरे, ब्रिटेन 7.1 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

2. केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने केन-बेतवा नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजना को मंजूरी दी

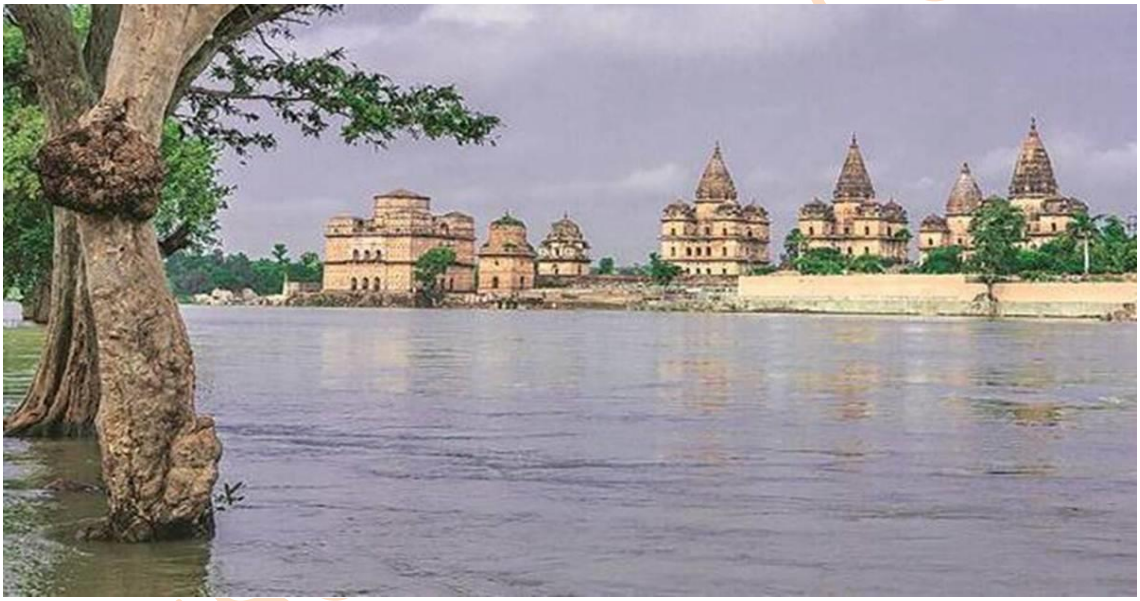

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **केन-बेतवा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना** के लिये वित्तपोषण तथा क्रियान्वयन को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- केन-बेतवा लिंक परियोजना की कुल लागत 44,605 करोड़ रुपये का अनुमान किया गया है, जो 2020-21 की कीमतों के आधार पर है।
- इस परियोजना के तहत केन का पानी बेतवा नदी में भेजा जायेगा। यह दाऊधाम बांध के निर्माण तथा दोनों नदियों से नहर को जोड़ने, लोअर उर परियोजना, कोठा बैराज और बीना कॉम्प्लेक्स परियोजना के जरिये पूरा किया जायेगा।

- परियोजना से 10.62 लाख हेक्टेयर रकबे की वार्षिक सिंचाई हो सकेगी, लगभग 62 लाख की आबादी को पीने का पानी मिलेगा तथा 103 मेगावॉट पन बिजली और 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा पैदा होगी।
- परियोजना को उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी के साथ आठ वर्षों में क्रियान्वित कर लेने का प्रस्ताव है।
- यह परियोजना पानी की कमी से जूझते बुंदेलखंड इलाके के लिये बहुत फायदेमंद है। यह पूरा इलाका मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश राज्यों में फैला है।
- इस परियोजना से मध्यप्रदेश के पन्ना, टीकमगढ़, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी और रायसेन तथा उत्तरप्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर को बहुत लाभ होगा।

पृष्ठभूमि:

- 22 मार्च, 2021 को देश में नदियों को आपस में जोड़ने की पहली प्रमुख केंद्रीय परियोजना को क्रियान्वित करने के लिये केंद्रीय जल शक्ति मंत्री तथा मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्रियों के बीच एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे।

नोट:

- केन और बेतवा नदियाँ मध्य प्रदेश में उत्पन्न होती हैं और यमुना की सहायक नदियाँ हैं।
- केन उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यमुना और उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा से मिलती है।
- बेतवा नदी पर राजघाट, परीचा और माताटीला बांध हैं।
- केन नदी पन्ना टाइगर रिजर्व से होकर गुजरती है।

स्रोत: PIB

3. संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया

byjusexamprep.com

चर्चा में क्यों?

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** ने **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया है।
- इससे "एक सूर्य एक विश्व एक ग्रिड" को प्रोत्साहन मिलेगा। यह विश्व के लिए न्यायोचित ऊर्जा समाधान प्रस्तुत करने में सहायक होगा।

प्रमुख बिंदु

- इससे वैश्विक सहयोग के माध्यम से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक सहायता मिलेगी।

नोट:

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) की चौथी आम सभा अक्टूबर 2021 में आयोजित की गई थी।
- सभा में कुल 108 देशों ने भाग लिया, जिसमें 74 सदस्य देश और 34 पर्यवेक्षक और संभावित देश, 23 सहयोगी संगठन और 33 विशेष आमंत्रित संगठन शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के बारे में:

- ISA के शुभारंभ की घोषणा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने 30 नवंबर 2015 को पेरिस, फ्रांस में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP-21) के 21वें सत्र में की थी।
- ISA फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला अमेरिका 101वां देश बन गया है।

byjusexamprep.com

- **मुख्यालय:** गुरुग्राम, हरियाणा, भारत
- **स्थापना:** 30 नवंबर 2015
- **महानिदेशक:** अजय माथुर

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

4. NITI आयोग द्वारा भारतीय हिमालयी क्षेत्र में स्प्रिंगशेड प्रबंधन पर संसाधन पुस्तक का विमोचन

चर्चा में क्यों?

- भारतीय हिमालयी क्षेत्र में **स्प्रिंगशेड प्रबंधन पर संसाधन पुस्तक NITI आयोग** द्वारा जारी की गई।
- यह संसाधन पुस्तक "हिमालय में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन को मजबूत करना (SCA-हिमालय)" परियोजना के तहत IWMI और SDC के सहयोग से NITI आयोग द्वारा विकसित स्प्रिंगशेड प्रबंधन में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर एक संक्षिप्त मार्गदर्शक दस्तावेज है।

प्रमुख बिंदु

- यह संसाधन पुस्तक पर्वतीय झरनों के पुनरुद्धार और संरक्षण पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करती है।

- संसाधन पुस्तक भारतीय हिमालयी क्षेत्र (IHR) और पड़ोसी देशों नेपाल तथा भूटान में विभिन्न एजेंसियों द्वारा पुनरुद्धार प्रयासों के एक दशक से अधिक समय से प्रक्रियाओं, विधियों एवं सीखने पर उपयोग में आसान दस्तावेज़ का निर्माणकार्य है।

नोट:

- झरने IHR में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण समुदायों के लिए प्राथमिक जल स्रोत हैं।
- हालांकि, झरनों की गिरावट और बड़े हिमालयी भूजल प्रणालियों पर चिंता बढ़ रही है, जिससे पहाड़ी आबादी तथा पूरे भारतीय-गंगा मैदानों की जल सुरक्षा को खतरा है।

स्रोत: PIB

5. NDPS (संशोधन) विधेयक, 2021

चर्चा में क्यों?

· **नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (NDPS), 1985** में संशोधन करने वाले अध्यादेश को बदलने के लिए एक विधेयक लोकसभा में पेश किया गया था।

प्रमुख बिंदु

· वर्ष 2014 के संशोधन अधिनियम में प्रारूपण त्रुटि को ठीक करने के लिये **NDPS (संशोधन) विधेयक, 2021** सितंबर 2021 की शुरुआत में प्रख्यापित एक अध्यादेश का स्थान लेगा।

- वर्ष 2014 के संशोधन से पहले, अधिनियम की धारा 2 के खंड (viii-a) में उप-खंड (i) से (v) शामिल थे, जिसमें 'अवैध यातायात' शब्द को परिभाषित किया गया था।

नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के बारे में:

- नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985, जिसे आमतौर पर NDPS अधिनियम के रूप में जाना जाता है, भारत की संसद का एक अधिनियम है जो किसी व्यक्ति को उत्पादन / निर्माण / खेती, कब्जा, बिक्री, खरीद, परिवहन, भंडारण, और / या किसी भी मादक दवा या मनोदैहिक पदार्थ का सेवन प्रतिबंधित करता है।

नशीली दवाओं की लत से निपटने के लिए पहल:

- नार्को-समन्वय केंद्र
- जब्ती सूचना प्रबंधन प्रणाली
- नेशनल ड्रग एब्यूज़ सर्वे
- नशा मुक्त भारत

स्रोत: द हिंदू

6. अटल इनोवेशन मिशन द्वारा अखिल भारतीय एडटेक चैलेंज और मास्टर क्लास सीरीज 2021-2022 का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- **अटल इनोवेशन मिशन (AIM),** अमेज़ॅन वेब सर्विसेज (AWS) और ग्लोबल एडटेक एक्सेलेरेटर- यूइनसेप्ट ने एडटेक संस्थापकों के शुरुआती और उन्नत चरण के लिए '**ऑल इंडिया एडटेक चैलेंज एंड मास्टर क्लास सीरीज**' आयोजित करने के लिए हाथ मिलाया है।

- यह पहल मार्च 2021 में NITI आयोग और अमेज़ॅन इंटरनेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (AISPL) के बीच हस्ताक्षरित स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (SoI) का विस्तार है।

प्रमुख बिंदु

- इस पहल का उद्देश्य एडटेक कंपनियों और स्टार्टअप्स को मदद करना और प्रोत्साहन देना है जो संभावित उद्योग अंतराल की पहचान करके, विलय और अधिग्रहण की खोज, टेलेंट सोर्सिंग और पूलिंग, और उद्योग की खोज करते समय उद्यम पूंजी और निवेशक मानसिकता के अनुरूप, अकादमिक और सरकारी कनेक्शन की प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (MVP) चरणों में हैं।

सहयोगियों के बारे में:

- **अटल इनोवेशन मिशन (AIM)** देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रमुख पहल है। AIM को देश के इनोवेशन इकोसिस्टम की देखरेख और इनोवेशन इकोसिस्टम में क्रांति लाने के लिए एक अम्ब्रेला स्ट्रक्चर बनाना अनिवार्य है- अटल टिंकरिंग लैब्स, अटल इनक्यूबेशन सेंटर्स, अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर्स, अराइज और अटल न्यू इंडिया चैलेंज जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे इनोवेशन लाइफ साइकल को छूना इसका मकसद है।

- **यूइनसेप्ट ग्लोबल एडटेक एक्सेलेरेटर** स्टार्टअप स्टेकहोल्डर का एक मजबूत इकोसिस्टम है: स्टार्टअप, विशेषज्ञ सलाहकार, निवेशक, कॉरपोरेट, स्कूल, कॉलेज, सरकार, नीति निर्माता आदि इसमें शामिल हैं।

- **अमेज़ॅन इंटरनेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (AISPL)** भारत में AWS क्लाउड सेवाओं का पुनर्विक्रय और विपणन करता है।

स्रोत: PIB

7. NITI आयोग और भारती फाउंडेशन ने ' कॉन्वोक 2021-22' के शुभारंभ की घोषणा की

byjusexamprep.com

चर्चा में क्यों?

- भारती एंटरप्राइजेज की लोक-हितैषी शाखा, भारती फाउंडेशन के साथ साझेदारी में **NITI आयोग** ने **कॉन्वोक 2021-22** की शुरूआत की।

प्रमुख बिंदु

- **कॉन्वोक** एक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी है जिसका उद्देश्य भारत भर के सभी शिक्षकों, शिक्षाविदों, स्कूलों के प्रमुखों पर विशेष ध्यान देने के साथ शिक्षा प्रदान करने और इसकी गुणवत्ता को मजबूत करने में आने वाली चुनौतियों का समाधान करना है।
- इस मंच के माध्यम से, **सरकारी स्कूलों के स्कूल शिक्षकों/प्रमुखों/प्राचार्यों** और भारती फाउंडेशन नेटवर्क के शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से अनुसंधान-आधारित समाधानों का उपयोग करने और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए जमीनी स्तर पर किए गए अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सुझावों को बढ़ावा देगा, जिसमें शिक्षण के लिए नए दृष्टिकोणों को मान्यता दी जाएगी जो उनकी कक्षाओं में सीखने के परिणामों में सुधार करते हैं।

स्रोत: PIB

8. 2021 DST-ICTP-IMU रामानुजन पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान में गणितज्ञ की प्रोफेसर **नीना गुप्ता** को एफाइन संयुक्त बीजगणितीय ज्यामिति और क्रमविनिमेय बीजगणित में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए विकासशील देशों के युवा गणितज्ञों का **2021 DST-ICTP-IMU रामानुजन पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रोफेसर गुप्ता रामानुजन पुरस्कार प्राप्त करने वाली तीसरी महिला हैं। पहली बार 2005 में यह पुरस्कार प्रदान किया गया था। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और गणितीय संघ (IMU) के साथ अब्दुस सलाम इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल फिजिक्स (ICTP) द्वारा यह पुरस्कार संयुक्त रूप से प्रदान किया जाता है।
- **रामानुजन पुरस्कार** हर साल एक प्रख्यात गणितज्ञ को दिया जाता है, जिनकी उम्र पुरस्कार दिए जाने वाले वर्ष के 31 दिसंबर को 45 वर्ष से कम हो और जिन्होंने विकासशील देशों में उत्कृष्ट शोध कार्य किया है।

स्रोत: PIB

byjusexamprep.com

9. भाजपा के वरिष्ठ नेता हरबंस कपूर का निधन

- आठ बार के विधायक और उत्तराखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता **हरबंस कपूर** का निधन हो गया।
- 2007 से 2012 तक उत्तराखंड विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष, कपूर ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में मंत्री पद संभाला।

स्रोत: TOI

byjusexamprep.com